गज़ल

पिया तू तो बेमिसाल है,तेरी क्या मिसाल दूं
दिल से तेरे ख्याल को,कैसे निकाल दूं

1- तेरी रहमतों ने मुझको,इस कदर बना दिया
वाणी के नूरी ज़ाम से,अमीरस पिला दिया
बैठै हो आके दिल में,तुझे क्या हिसाब दूं

2- देखा न दो जहां में,तुझसा कोई सनम
गुनाहों को न देखा मेरे,करते रहे करम
फिर तू ही अब बता दे,तुम्हें क्या हवाल दूं

3- बस एक ही तमन्ना है,और एक आरज़ू
अंगना हूँ जब तेरी मैं, कब होगी जुस्तजू
चरणों में तेरे तन मन,और जीव वार दूं

Nijanand App